



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 249]

मई विल्सी, बहुस्थितियार, अक्टूबर 30, 1986/कार्तिक 8, 1908

No. 249 NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 30, 1986/KARTIKA 8, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती हैं किससे कि यह भवग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

## खस्त्र मंड़ालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

अधिसूचना

मम्बई, 30 अक्टूबर, 1986

ग. सी.ई.आर/(11)/86-सी.एसवी :—वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1986 के खण्ड 16 में प्रदत्त जायितयों का प्रयोग करते हुए मैं एवं द्वागा निम्नलिखित निर्देश जारी करता हूँ।

(एक) ये निर्देश भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना में प्रकाशित की जारी रख से प्रभाव में प्रावेश और दिनांक 31-12-90 तक ब्राह्मण में रखने के लिए जारी रहेंगे।

(दो) ये निर्देश उपरोक्त नियंत्रण आदेश के खण्ड 3(7) के प्रधीन परिभाषित सूती वस्त्र पर लागू होंगे।

(तीन) नीचे के उप-परिच्छेद (चार) के उपबंधों के अध्याधीन ये निर्देश निर्माताओं द्वारा अनुपालित किए जायेंगे।

(चार) जिस निर्माता पर यह अधिसूचना लागू होती है, यदि वह वस्त्र आयुक्त को या ऐसे अधिकारी को संतुष्ट करता हो किमे इस संबंध में वस्त्र आयुक्त नियुक्त करते हैं कि इसके पर्याप्त कारण हैं कि ऐसे निर्माता को किसी भी या इन सारे निर्देशों का अनुपालन करने की छूट होनी चाहिए या कि कोई भी या ये सारे निर्देश उसको विए गए उनके आवेदन पत्र में घोषित किए जाने चाहिए, वस्त्र आयुक्त या उनके द्वारा नियुक्त

अधिकारी लिखित रूप में आंशका द्वारा ऐसे निर्माता को किसी भी या इन सारे निर्देशों का पालन करते से छूट दे सकता है या ऐसे निर्माता के आवेदनपत्र में किसी भी निर्देश मात्र इन सारे निर्देशों में परिवर्तन कर सकता है।

2. (1) किसी भी निर्माता को मण्डलवानी, सिलाई धागा, लद्धा, पापलीन ट्रिवल शॉटिंग, सूसी, लेनड, झील, कोठिंग, मजरो वस्त्र, चावर, मावला पाट एवं फलालेन स्टेंडर्ड अफिल्व के हरे रंग (स्केमिक सं. 314) में या उससे भिन्न ज़रूरते किसी भी रंग में नहीं रंगने आदिप सिकाय तथ जब ऐसे वस्त्र या धागे सरकार द्वारा दिए गए आवेदा की अनुशृण्ता में भारत सरकार की पूर्ति के लिए उत्पादित किए गए हों।

(2) कोई भी निर्माता, भारत से बाहर नियंत्रित करते वाले वस्त्रों के अतिरिक्त, वस्त्र के निम्नलिखित प्रकारों में से किसी भी प्रकार, प्रथमतः पौपलिन, मल, वायल, डोरिया और ऐसे मटिरियल को, जो रंग धूलाई में पक्का नहीं है उस रंग में नहीं रोगा।

म्यांटीकरण: “धूलाई करने में पक्का” इस खण्ड से तात्पर्य आईएस आई स्टेंडर्ड सं. आईएसआई 765-1956 में निर्धारित तथा आईएसआई स्टेंडर्ड सं. आईएसआई 768-1956 की अनुशृण्ता में भूल्याकृत यात्रिकी धूलाई (तीव्र) मैं श्रेणी 3 के सूचन परिवर्तन में वस्त्र आयुक्ती के रंग का पक्कापत है।

(3) किसी भी उत्पादक को धोती या साझी की किनारी में किसी ऐसे रंगीन सूत का प्रयोग नहीं करना चाहिए जो विरंजन के रंग में पड़का नहीं रोगा गया है।

(4) किसी भी निर्माता को उत्पादक द्वारा उत्पादित धोती या साझी के किसी भी नग को रंगना नहीं चाहिए।

3. किसी भी निर्माता को शक्तिचालित कर्बों पर उत्पादित कोई भी प्रभ्रभागवाले या किनारोवाली साझी पंसगपोश विस्तर का गिलाक, मेज-पोश नहीं आयने चाहिए।

स्पष्टीकरण :—इस परिच्छेद में :—

(1) "अप्रभाग" से तात्पर्य कपड़े के मुख्य हिस्से से भिन्न किसी भी रंग का नमूना जिसमें सफेद प्रभ्रभाग भी शामिल है और जो कपड़े के किनारे से किनारे तक चौड़ाई में आता है।

(2) "किनारी" से तात्पर्य कपड़े के मुख्य हिस्से से भिन्न किसी भी रंग का नमूना, जिसमें सफेद किनारी भी शामिल है जो किनारे के साथ और करीब आता है।

(3) "साझी" से तात्पर्य किसी भी प्रकार का उस नाम से साधारणतया जानेवाला सीधी दृश्याई का छोरा या विरंजित वस्त्र, जाहे वहृमर्तसराइज्ड हो या नहीं, जो (एक) जिसकी किनारी एवं अभ्रभाग में रंगीन सूत या सफेद सूत मिला हो।

(दो) जिसकी चौड़ाई 94 से.मी. से 140 से.मी. (मिलाकर) तक की हो ; और

(तीन) जिसकी लम्बाई 4.15 मीटर से 14 मीटर (मिलाकर) तक की हो ; और उपरोक्त मद(दो) की अनुरूपता में निर्मित किसी भी प्रकार की छपी हुई मल, छपी हुई बायल या कितनी भी सम्भाई का छपा हुआ बोरिया भी शामिल है।

नेकिन उपरोक्त नियंत्रण भारतीय के खण्ड 16 के उपखण्ड (2) में समय-समय पर वस्त्र प्रायुक्त के निर्वेशन के अन्तर्गत उत्पादित की जाने के लिए अप्रेक्षित नियंत्रित साझी के उत्पादन पर इस खण्ड में से कुछ भी नाम नहीं होगा।

टिप्पणी :—(1) उपरोक्त मद(तीन) के अभिप्राय हेतु "छपी हुई मल", "छपी हुई बायल" और "छपा हुआ बोरिया" से तात्पर्य 28 काउन्ट से 80 काउन्ट (दोनों मिलाकर) के बीच तामा काउन्ट से निर्मित सीधी दृश्याई के छपे हुए किसी भी कपड़े तथा 5-4 और उससे कम के ट्रिवेस्ट मल्ट, प्लायर से है, उसे साधारणतया "मल" "बायल" एवं बोरिया के नाम से जाना जाता है, इसमें और गोंदी किनिश वस्त्र एवं ताने एवं बाने दोनों में तुहरे सूत वाले वस्त्र शामिल नहीं हैं।

वस्त्र प्रायुक्त की अधिसूचना सं. सीई. प्रार. 7/86/मो. एलवा. दिनांक 26/6/86 के प्रत्यन्त नियंत्रित नियंत्रित साझी को भी मिलाकर "साझी"।

(4) "पलंग पोश" से तात्पर्य किसी भी कोरे या विरंजित कपड़े के ट्रिवेस्ट से है जो विस्तर पर बिछाने के लिए प्रयुक्त निया जा सकता है, जिसमें आवर भी शामिल हैं।

(5) "विस्तर के गिलाक" से तात्पर्य विस्तर को ढंकने वाला कोई भी दृश्य कपड़ा, जो काउन्टर पेन नहीं हो तथा जो सजा हुआ हो या जिसमें रंगीन प्राभास हो।

(6) "मेज पोश" से तात्पर्य किसी भी कोरे, विरंजित, रंगीन या छोड़े बायल से है, जो मेजपर बिछाने के लिए काम में विया जा सकता है।

4. कोई भी निर्माता जिसके पास कटाई ज्वांट हो, वस्त्र प्रायुक्त की विशेषता स्पृष्टि में पूर्ण अनुमति के बिना जिकी के लिए "रिवर्स ट्रिवेस्ट यार्न" का उत्पादन नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण :— "रिवर्स ट्रिवेस्ट यार्न" से मलबद इकहरा यून जिसमें ट्रिवेस्ट की विश्वा धारावत्त हो।

5. वस्त्र प्रायुक्त के द्वारा लिखित स्पृष्टि में आरी भारतीय की अनुरूपता के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक किसी भी "नियंत्रित वस्त्र" का उत्पादन नहीं करेगा।

बीरेन्द्र बी. वर्मा, संयुक्त वस्त्र प्रायुक्त

## MINISTRY OF TEXTILES Office of the Textile Commissioner

### NOTIFICATION

Bombay, the 30th October, 1986

No. CER/(11)/86-CLB.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 16 of the Textiles (Control) Order, 1986, I hereby issue the following directions :—

- (i) These directions shall come into force from the date of the publication of this notification in the Gazette of India, and shall continue to be inforce till the 31-12-1990.
- (ii) These directions shall apply to Cotton Cloth as defined under Clause 3(7) of the above control order.
- (iii) Subject to the provisions of sub-paragraph (iv) below, these directions shall be complied with by manufacturers.
- (iv) If a manufacturer to whom this Notification applies, satisfies the Textile Commissioner or such officer as the Textile Commissioner may appoint in this behalf, that there are sufficient reasons why such manufacturer should be exempted from compliance with any or all of these directions or that any or all of these directions should be modified in their application to him, the Textile Commissioner or the Officer so appointed by him may, by an Order, in writing exempt such manufacturer from compliance with any or all of these directions or modify any or all of these directions in their application to such manufacturer.

2. (1) No manufacturer shall dye in Standard Olive Green shade (Scamic No. 314) or any shade closely resembling it, Mosquito netting, sewing thread, longcloth, poplin, Twill, Shirting, Sucies, Leopard, Drills, Coating, Mazti Cloth, Bed sheets, Bed Ticking cloth and Flanellette, except when such or thread is produced for supply to the Government of India in accordance with or order placed by the Government of India.
- (2) No manufacturer shall piece-dye except for export out of India, any of the following varieties of cloth in shade which is not fast to washing, namely :—Poplins, mulls, voiles, dorias and dress material.

Explanation.—The term "fast to washing" means colour fastness of the textile material to a minimum of grade 3 to mechanical washing (severe) prescribed

in I.S.I. Standard No. I.S. 765-1956 and evaluated in accordance with ISI Standard No. ISI 768-1956.

- (3) No producer shall in the border of a dhoti or saree use any coloured yarn which is not dyed in a fast to bleach shade.
- (4) No manufacturer shall piece-dye any dhoti or saree produced by the producer.

3. No manufacturer shall print any saree, bed-spread, bedcover, table-cover produced on powerlooms with any heading or border.

**Explanation.—**In this paragraph :—

- (i) “Heading” means any colour pattern different from that in the body of the fabric including a white heading which runs width-wise from selvedge to selvedge of the fabrics.
- (2) “Border” means any colour pattern different from that in the body of the fabric including a white border which runs alongside and close to the selvedge.
- (3) “Saree” means any type of grey or bleached cloth commonly known by that name, whether or not mercerised, of plain weave, which—
  - (i) Contains coloured yarn or white yarn on its borders and headings;
  - (ii) has a width ranging between 70 centimetres and 140 centimetres (inclusive); and
  - (iii) has a length ranging from 2.50 metres to 14 metres; (inclusive); and includes any type of printed mulls, printed voile or printed doria, of any length manufactured in accordance with items (ii) above.

Provided that nothing in this clause shall apply to the production on controlled saree required to be produced under the direction of the Textile Commissioner from time to time under sub-clause (2) of Clause 16 of the above said control order.

**Note :—**(i) for the purpose of item (iii) above “printed mulls”, “printed voiles” and “printed dorias” shall mean any printed fabric of plain weave manufactured with warp counts between 28s and 80s (both inclusive) and a twist multiplier of 5.4 and below, which are commonly known as ‘mulls’, ‘voiles’, and ‘dorias’ excluding organdie finished cloth and cloth having doubled yarn used both in warp and weft.

“Saree” also includes controlled saree specified under Textile Commissioner’s notification No. CER[7] 86-CLB dated 26-6-1986.

- (4) “Bed-spread” means any piece of grey or bleached cloth which may be used for spreading over a bed and includes sheeting.
- (5) “Bed-cover” means any outer covering of a bed which is not a counter-pane and which has a decorative or coloured effect.
- (6) “Table cover” means any piece of grey, bleached coloured or printed cloth which may be used for spreading over a Table.

4. No manufacturer having a spinning plant shall produce for sale a ‘Reverse Twist Yarn’ except with the previous permission in writing of Textile Commissioner.

**Explanation.—**“Reverse Twist Yarn” means single yarn in which the direction of twist is anti-clockwise.

5. Save in accordance with an order in writing issued by the Textile Commissioner, no manufacturer shall produce or process any “Controlled cloth”.

VIRENDRA B. VERMA,  
Jt. Textile Commissioner (C)

